

होते हैं, इसके फल शिवजी को चढ़ाये जाते हैं मुड़ा.  
धतूरा खाए फिरना- उन्मत्त अथवा पागल बनकर  
घूमना।

**धतूरिया** पुं. (देश.) पथिकों को धतूरे के बीज  
खिलाकर बेहोश कर लूटने वाले ठगों का दल।

**धत् अव्य.** (देश.) दुतकारने का शब्द, तिरस्कारपूर्वक  
हटाने का शब्द, उपेक्षा सूचक शब्द, भाव, पशु-  
प्राणियों को चलाने का शब्द।

**धत्ता** पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का छंद जिसके  
विषम चरणों में 18 और सम चरणों में 16  
मात्राएँ होती हैं तथा अंत में तीन लघु होते हैं 2.  
थाली की बाढ़ का ढालुओं अंश या भाग।

**धत्तानंद** पुं. (तत्.) एक छंद।

**धत्तूर** पुं. (देश.) दे. धतूरा।

**धधक स्त्री.** (देश.) 1. धधकने की क्रिया या भाव  
2. लपट 3. आँच, ताप।

**धधकना अ.क्रि.** (देश.) ऊँची लपटों के साथ आग  
का जलना, धौंय-धौंय जलना, भड़कना।

**धधकाना स.क्रि.** (देश.) ऐसी क्रिया करना जिससे  
आग में लपटे उठने लगें, जलाना, लपटों के साथ  
जलाना।

**धधाना अ.क्रि.** (देश.) धधकना, जलना।

**धनंजय** पुं. (तत्.) 1. धन को जीतने अथवा प्राप्त  
करने वाला 2. विष्णु 3. अग्नि या आग 4. चीते  
का पेड़ 5. अर्जुन नामक पेड़ 6. शरीर में रहने  
वाली पाँच वायुओं में से एक जिसकी गणना उप-  
प्राणों में होती है तथा जिससे जैँभाई आती है 7.  
एक गोत्र का नाम 8. सोलहवे द्वापर के व्यास  
का नाम 9. एक नाग 10. पंच पांडवों में से  
अर्जुन का एक नाम 11. अर्जुन के धनुष का एक  
बाण।

**धन** पुं. (तत्.) 1. जीवन-निर्वाह या सुख का साधनभूत  
द्रव्य, भूमि आदि 2. दौलत, रुपया, पैसा 3. यथेष्ट  
मात्रा या संख्या में उक्त प्रकार की कोई चीज  
उदा. गो-धन, गजधन, रतनधन 4. अत्यंत प्रिय,  
जीवन सर्वस्व जैसे- प्राणधन, जीवनधन 5.

गणित में योग का चिह्न (+) 6. जन्म कुंडली  
में लग्न से दूसरा स्थान जिसे देख कर विचार  
किया जाता है कि अमुक व्यक्ति धनी होगा या  
निर्धन 7. लूट का माल 8. पुरस्कार 9. प्रतिद्वंदिता,  
होड़, मुकाबला 10. आवाज, शब्द, ध्वनि 11.  
धनिष्ठा नक्षत्र 12. खान से निकली बिना साफ  
की हुई कच्ची धातु 13. जो हिसाब-किताब में  
किसी के नाम से जमा हो credit 14. धान का  
संक्षिप्त रूप जो उसे यौगिक शब्दों के आरंभ में  
लगाया जाता है जैसे- धनकटी = धान-कटाई।

**धनक** पुं. (तत्.) 1. धन पाने की इच्छा 2. लालच,  
लोभ 3. राजा कृतवीर्य के पिता का नाम 4.  
धनुष 5. इंद्रधनुष 6. स्त्रियों की एक प्रकार की  
पतली ओढ़नी पुं. (तत्.) 1. धनुष 2. इंद्रधनुष।

**धनकर** पुं. (देश.) 1. वह कड़ी मिट्टी जिसमें धान  
बोया जाता है और जिसमें बिना अच्छी वर्षा के  
हल नहीं चल सकता 2. वह खेत जिसमें धान  
होता हो 3. धान की फसल।

**धनकाम्य वि.** (तत्.) दे. धनकाम।

**धनकाम** पुं. (तद्.) लोभी।

**धन-कुबेर** पुं. (देश.) 1. धन के देवता 2. कुबेर की  
तरह धनी, प्रचुर धनी।

**धन केलि** पुं. (तत्.) धन के देवता, कुबेर।

**धनकोटा** पुं. (देश.) हिमालय के कुछ भागों में होने  
वाला एक तरह का पौधा जो कागज बनाने के  
काम आता है।

**धनखर** पुं. (देश.) वह खेत जिसमें धान बोया  
जाता हो, धनहा खेत (स्थानीय बोली में)।

**धनचिड़ी स्त्री.** (तद्.) एक किस्म की चिड़िया।

**धनतेरस स्त्री.** (तद्.) कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी, इस  
दिन धन-प्राप्ति के लिए लक्ष्मी पूजन किया  
जाता है तथा हिंदू लोग अधिक धन पाने की आशा  
में नए बरतन खरीदते हैं।

**धनदंड** पुं. (तत्.) अर्थ-दंड, जुर्माना।

**धन दिशा स्त्री.** (तत्.) उत्तर दिशा।